



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय हिन्दी विषय कोड 001 परीक्षा का माध्यम हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से भिलाकर लगाये

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक **A- 1829639**

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

1	4	3	1	4	2	6	4	5
---	---	---	---	---	---	---	---	---

शब्दों में

एक	चार	तीन	एक	दो	छः	चार	पाँच
----	-----	-----	----	----	----	-----	------

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छ	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष द्वारा भरा जावे →

क - पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख - परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक

ग - परीक्षा का दिनांक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाईस्कूल परीक्षा वर्ष-2014 **312047**

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर *H. B. Sharma*

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर *[Signature]*

परीक्षक एवं उपपरिचय परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई गई हो। त्रुटि/रट्टीकरण/क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रकृिटी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा नाम पहलाम गोबाईल नम्बर परीक्षक क्रमांक एवं पदािका सभत के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्या परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

[Signature]

S. RAJPUT
1001511

C. TIWARI
0976415

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्ताकों की प्रकृिटी व

प्रश्न क्रमांक	पुष्ट क्रमांक	प्राप्ताक (अंकों)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		

कुल प्राप्ताक शब्दों में	कुल	अंकों में
26		
27		
28		

2



पृष्ठ 2 के अंक



प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (1) का उत्तर

(1) रीतिकाल ✓

(2) विचारात्मक ✓

(3) ऊपर ✓

(4) आलम्बन ✓

(5) तत्पुरुष ✓

B
S
E

प्रश्न क्र० (2) का उत्तर

(1) महादेवी वर्मा ✓

(2) सुजान सिंह ✓

(3) कहानी ✓

(4) निः + रस ✓

(5) क्रोध ✓

प्रश्न क्र० (3) का उत्तर

(1) सख ✓

3

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक



प्रश्न क्र.

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iv) असत्य

(v) असत्य

प्रश्न क्र० (4) का उत्तर

(1) पृथ्वीराज रासो

महाकाव्य

(2) उद्बोधन

रामधारी सिंह 'दिनकर'

(3) सच्चा धर्म

सेठ गणेश्वर दास

(4) थके हुए कलाकार से

धर्मवीर भारती

(5) बैरियाँ पवन दुआर हैं

अजय टारामी

प्रश्न क्र० (5) का उत्तर

(1) आक्रोश में आकर मंजदूरों ने शीषक रुपी सूर्य को निगल लिया।

(2) लोक संस्कृति का जन्म ग्रामों में हुआ है।

4

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग 1 पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र

(3) लालच को गाँवाकर मनुष्य धनी बनाता है।

(4) उपासना करने वाला उपासक कहलाता है।

(5) "रामा! तुम नगर में रहो" आत्मीयक वाक्य है।

प्रश्न क्र० (6) का उत्तर

कृष्णा कुबड़ी थी तथा वह कंस की दासी थी। वह कंस के मस्तक पर चंदन लगाने का कार्य करती थी। जब कृष्णा मथुरा आयी तो उसने उन्हें भी चंदन लगाया। तब कृष्णा ने कृष्णा के कुब्ज पर हाथ रखकर उसके पैरों को अपने पैरों से दबाकर उसके कुब्ज की सीधा कर दिया। इस प्रकार वह अनुपम रूपवती हो गई।

प्रश्न क्र० (7) का उत्तर (अथवा)

संसारिक समस्याओं से पराजित निरीह कवि की दृष्टियों में इतने पड़ गई हैं। उसे भय है कि कहीं बच्चे के सूरंगी इरादों उनमें उलझकर टूट न जायें, नहीं तो समाज कवि को

5

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग 4 पृष्ठ

पृष्ठ 5 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र

ही श्रेणी धरयोगा ।

प्रश्न क्र० (8) का उत्तर (अथवा)

गिरिधर जी गुणवान के बारे में कहते हैं कि, जिस प्रकार से कौआ और कौयल का रंग समान होते हुए भी कौयल की मधुर वाणी के कारण सभी उसको पसंद करते हैं और कौआ को उपेक्षा सेलना पड़ता है। ठीक उसी प्रकार समाज में गुणी व्यक्ति को सभी पसंद करते हैं, लेकिन गुणहीन व्यक्ति को समाज में दुल्कार सेलना पड़ता है।

प्रश्न क्र० (9) का उत्तर (अथवा)

मानव जिस और गया, वहाँ सृजन होता चला गया। नगर बैसे, तीर्थस्थान बैसे। मानव सृजनशील है। उसने आकार, पाताल से भी मित्रता कर ली, अर्थात् वहाँ भी अनुसंधान करके नई खोज की।

प्रश्न क्र० (10) का उत्तर (अथवा)

वृष्टि कविता के माध्यम से कवि कहता है कि, श्रमिक ने इतनी मेहनत करके अन्न अगाया लेकिन उस अन्न से प्राप्त धन को पूंजीपतियों

B
S
E

6

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 6 के अंक

पृष्ठ 7



प्रश्न क्र

ने अपनी तिजोरियों में भर लिया।
इस प्रकार कवि ने समाज में फैली आर्थिक
विषमता को अजागर किया है।

प्रश्न क्र० (11) का उत्तर (अथवा)

जब डाकू शिबू को बंदूक मारने आया तो
शिबू ने बंदूक का कुन्दा पकड़ लिया और
ऐसे पकड़ा जैसे सैपरा साँप का मुँह पकड़ता
है और कहा कि - "तुम मुझे मार सकते हो
लेकिन मेरा पैसा नहीं खीन सकते।" शिबू उन्हें
पकड़कर चिल्लाने लगा और भय के कारण डाकू
भाग खड़े हुए।

प्रश्न क्र० (12) का उत्तर (अथवा)

लोग बलबों में, मुसाफिर खानों में, रेलों में,
चौपालों पर बैठकर यही चर्चा करते हैं कि
हमारे देश में ये नहीं हो रहा, वो नहीं हो
रहा, सब गड़बड़ है, बड़ी परेशानी है। ऐसी
चर्चाएँ कर वे अपने देश को अन्य देशों की
अपेक्षा हीन साबित करते हैं, जिससे देश के
शक्तिबोध को चोट पहुँचती है और देश के
सामूहिक मानसिक बल का हास हो रहा है।

7

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

सात पूर्ण पृष्ठ पृष्ठ के अंक एक



प्रश्न क्र० (13) का उत्तर (अथवा)

लेखक ने रामचरण के कंधे पर हाथ रखते हुए मित्र भाव से पूछा - 'भाई ये बाजरा कौन है?' यहाँ खड़ा है? इसे क्यों खड़ा किया गया है? मुझे इसके बारे में सबकुछ बताओ।

प्रश्न क्र० (14) का उत्तर (अथवा)

ऐसा स्थल जहाँ जो सभी प्रकार की सुविधा से सम्पन्न हो स्वर्ग कहलाता है। अभी हमारा देश स्वर्ग नहीं है यहाँ अभी सब सुविधा की पूर्ति नहीं है इस प्रकार लेखक स्वर्ग की नींव का पता लगाते हैं।

प्रश्न क्र० (15) का उत्तर

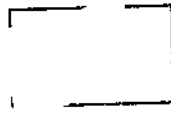
(i) आँवो का तारा :- अत्यधिक प्रिय।
 ⇒ ममता का एक ही पुत्र है, वो उसे आँव का तारा मानती है।

(ii) हाथ मारना :- धिक्का।
 ⇒ सैन् ने मेरी साइकिल पर हाथ मारने की कोशिश की।

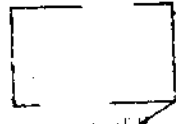
8



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 8 के अंत

प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (16) का उत्तर

गीतिका छंद -

14 + 12 = 26

S | S S | S S S S S | S | S S | S S

ह प्रभो आनन्ददाता, ज्ञान हमको दीजिये ।

शीघ्र सारे दुगुणों को, दूर हमसे कीजिये ॥

S | S S | S S S | S | S | S S | S | S

14 + 12 = 26

B
S
E

∴ इस छंद की प्रत्येक पंक्ति में 26 मात्राएँ तथा 14 खं. 12 पर अंति है। और अंत में लघु-गुरु (15) है। अतः यह गीतिका छंद है।

प्रश्न क्र० (17) का उत्तर

सुश्रुत संहिता शल्य चिकित्सा की विशद जानकारी देने वाला ग्रंथ है। इसमें कुल 120 अध्याय हैं जो 6 भागों में विभाजित हैं।

सुश्रुत संहिता में भ्रूणदर, पथरी, बवासीर, मोतियाबिंद की शल्य चिकित्सा बताई गई है। इसके अतिरिक्त काया प्रांगार, माँ के गर्भ में चीरा लगाकर बच्चे को जन्म देने की शल्य चिकित्सा के बारे में बताया गया है।

9

$$\boxed{\text{योग पूर्व पृष्ठ}} + \boxed{\text{पृ. 9 के अंक}} = \boxed{\text{कुल अंक}}$$



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० (18) का उत्तर (अथवा)

संधि और समास में अंतर -

संधि	समास
(1) दो वर्णों के मेल को संधि कहते हैं।	(1) दो पदों के मेल से बना नया पद समास होता है।
(2) संधि तीन प्रकार की होती है।	(2) समास के दो भेद होते हैं।
(3) संधि को तोड़ना विच्छेद कहलाता है।	(3) समास को तोड़ना विग्रह कहलाता है।

प्रश्न क्र० (19) का उत्तर

महाकाव्य एवं खण्डकाव्य में अंतर -

महाकाव्य	खण्डकाव्य
(1) महाकाव्य में नायक-नायिका के सम्पूर्ण जीवन का वर्णन होता है।	(1) खण्डकाव्य में नायक और नायिका के जीवन की एक घटना का वर्णन होता है।
(2) महाकाव्य में सभी रसों एवं दंडों का प्रयोग होता है। प्रमुख रस वीर, भयानक एवं	(2) खण्डकाव्य में एक ही रस और दंड का प्रयोग होता है।

10

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

याग पूर्व पृथक्

अक



प्रश्न क्र

शैक्षक हैं।	
(3) पात्रों की संख्या अधिक होती है।	(3) पात्रों की संख्या कम होती है।

प्रश्न क्र० (20) का उत्तर

प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ :-

B
S
E

(1) प्रगतिवादी काव्य में कवियों ने शोषकों के प्रति विद्रोह और शोषितों के प्रति सहानुभूति है।

(2) प्रगतिवादी काव्य में आर्थिक व सामाजिक समानता पर बल दिया गया।

(3) प्रगतिवादी काव्य में भाग्यवाद की अपेक्षा कर्मवाद की श्रेष्ठता पर बल दिया गया।

(4) प्रगतिवादी काव्य में सामाजिक यथार्थ का चित्रण किया गया।

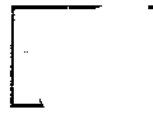
(5) प्रगतिवादी काव्य में ईश्वर के प्रति अनास्था का भाव प्रकट किया है।

11



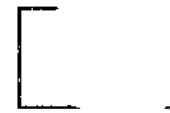
योग पूर्ण वृत्त

+



पृष्ठ अंक

=



कुल अंक



सं क्र

प्रश्न क्र० (21) का उत्तर

निबंध शब्द निःसंबंध से मिलकर बना है, जिसका अर्थ होता है, 'बंधन से मुक्त'। बाबु गुलाबराय के अनुसार, "निबंध उस गद्य रचना को कहते हैं, जिसमें किसी विषय का वर्णन या प्रतिपादन पूर्ण सजीवता, सौष्ठव, संबद्धता, निजीपन तथा आवश्यक संगति के साथ किया जाता है।"

प्रश्न क्र० (22) का उत्तर

रामवृक्ष वेनीपुरी -

रचनाएँ - कुसुमेश्वर, लाल तारा, पतियों के देश में।

भाषा शैली -

रामवृक्ष वेनीपुरी जी को 'भाषा का जादूगर' कहते हैं। इनकी भाषा सरल, सजीव स्वकी बोली है। आपने भाषा में वत्सम, विद्वेरी, देशज शब्दों का प्रयोग किया है। भाषा में प्रवाह लाने के लिए आपने मुहावरों व लौकिकियों का उचित प्रयोग किया है। आपके काव्य का अलङ्कार विधान परम मनोर है। आपने भावात्मक, विचारात्मक शैली में निबंध रचना की है।

12

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ अंक कुल अंक



प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (23) का उत्तर

मलिक मौलाना जायसी

रचनाएँ - पद्ममावत, अखरावट।

भावपक्ष -

आप निगुण ब्रह्म के उपासक हैं।
 निगुण ब्रह्म की प्राप्ति के लिए आप
 प्रेम को साधन मानते हैं और प्रेम को
 ही अपनी रचनाओं में व्यक्त करते हैं।
 आपने अपने काव्य में नायिकाओं को
 ईश्वर का रूप माना है।

B
S
E

कलापक्ष -

मलिक मौलाना जायसी की भाषा
 ठेठ अवधी है। अवधी भाषा के अतिरिक्त
 आपने काव्य में ब्रज भाषा का प्रयोग
 किया है। आपकी भाषा में उपमा, रूपक,
 उपेक्षा अलंकारों का प्रयोग परिलक्षित है।
 आपकी भाषा प्रवाहमय, बोधगम्य है।

प्रश्न क्र० (24) का उत्तर

ये रयाल ----- लडलुदान है।

(13)

+ _____ = |



योग-पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 13 के अंक

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी भाषाभारती के खींचे हुए बच्चे से कविता से ली गई है, जिसके कवि हरिनारायण व्यास जी हैं।

प्रसंग - प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने अपने चोट खाये हुए ख्यालों का वर्णन किया है।

व्याख्या - कवि कहता है कि मेरे ख्याल इस दुनिया के संकष्टों से लड़कर डूट चुके हैं। मेरी नाव रुपी ख्याल इन पहाड़ रुपी असफलताओं से टकराकर नाकामयाबी की चोट खाकर पस्त हो गये हैं।

काव्यसौंदर्य -

- (i) भाषा सरल, स्पष्ट, शक्तिमय है।
- (ii) अतुकांत शैली है।

विशेष - कवि ने अपनी चोट खाये हुए ख्यालों का वर्णन किया है।

प्रश्न क्र० (25) का उत्तर (अथवा)

गद्य - गाँवों _____ हैं।

संदर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक के 'मेरे गाँव की शांति' किसे दीन ली? शीर्षक से अवतरित है, जिसके लेखक पं० रामनारायण उपाध्याय हैं।

14

$$\boxed{\text{दोन पूर्व पृष्ठ}} + \boxed{\text{पृष्ठ 14 के अंक}} = \boxed{\text{कुल अंक}}$$



प्रश्न क्र

प्रसंग - गाँव का आदमी, किसी को कुध देने के लिये आकर है।

व्याख्या - प्रस्तुत गद्यांश में लेखक कहता है कि गाँव का आदमी राह देखता रहता है कि कोई ठससे भी तो कुध ले। उसके जीवन की विभिन्न संस्कृतियाँ भी हमें कुध दे सकती हैं, जैसे - रहन-सहन, धर्म इत्यादि।

B
S
F

विशेष - (i) ग्रामीणों की कलाओं का वर्णन किया गया है।

(ii) भाषा सरल, सहज, खड़ी बोली है।

प्रश्न क्र० (26) का उत्तर

मानव का _____ रचना है।

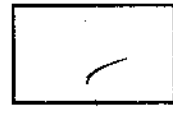
उत्तर - (i) गद्यांश का शीर्षक - 'यथार्थ मनुष्य'।

उत्तर - (ii) यथार्थ मनुष्य वह है, जो मानवता का आदर करना जानता है।

उत्तर - (iii) मानव को मानव के प्रति असहज अनुभव नहीं करना चाहिए, ऐसा करना मनुष्य के लिये शर्मिन्दा की बात है। आप केवल इस भाव से भ्रमभाव नहीं कर सकते कि वह मनुष्य



+



=



योग पूर्ण पृष्ठ

पृष्ठ 16 के अंक

अंक



परत क

किया जा सकता है, परन्तु प्रदूषण को नियंत्रित करने के बहुत उपाय हैं। प्रदूषण करने का सबसे बड़ा कारक मनुष्य ही है। मनुष्य सबसे ज्यादा बुद्धिमान प्राणी कहा जाता है, अतः प्रदूषण को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी भी मानव की है। विज्ञान के बढ़ते चरण से प्रदूषण चारों ओर फैल रहा है। प्रदूषण बड़े शहरों की अपेक्षा छोटे शहरों में कम है। आज इस प्रदूषण के कारण मनुष्य का दुनिया में रहना दुश्पर रहना हो गया है। आने वाले समय तक पृथ्वी का अस्तित्व ही स्वभाव ही जायेगा।

B
S
E

प्रदूषण का अर्थ -

हमारे चारों ओर फैले हुए पर्यावरण का दूषित होना ही प्रदूषण कहलाता है, प्रदूषण करने वाले कारकों की मात्रा इतनी अधिक है कि उसे बिना नुई जा सकता है। प्रदूषण का अर्थ जानने से पहले उसे कम करने के उपाय खोजने चाहिए।

प्रदूषण के प्रकार -

प्रदूषण को इतने प्रकार का होता है कि गणना असंभव है, फिर भी प्रदूषण के प्रमुख प्रकार यहाँ प्रस्तुत

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग पृष्ठ पृष्ठ 18 के अंक कुल अंक



ध्वनि जो कानों को अप्रिय लगती हो, और साथ ही मानसिक क्रियाओं में बाधा डाले अर्थात् 'शोर' ही ध्वनि प्रदूषण का मुख्य रूप है।

(V) रासायनिक प्रदूषण -

विभिन्न उद्योगों से निकलने वाले रसायनों का विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करना, रासायनिक प्रदूषण कहलाता है।

B
S
E

प्रदूषण की रोकथाम -

वायु प्रदूषण को रोकने के लिए उद्योगों की चिमनियों की ऊँचाई बढ़ा देना चाहिए, जिससे निकली हुई हानिकारक गैसों के प्रवाह को कम किया जा सकता है। प्लास्टिक का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। प्लास्टिक से समुद्र का तल बढ़ रहा है। उद्योगों को शहरी आवासों से दूर इलाकों में स्थापित करना चाहिए। भूमि में कचरा न डालें बल्कि उसे कूड़ाखन में डालें। खोई घर से निकले पानी का प्रयोग सिंचाई के लिए करें। उद्योगों से जल को उपचारित करके ही बाहर निकालें। प्रदूषण की रोकथाम उ

19

$$\left[\begin{array}{c} \text{योग} \\ \text{उ ५ अक} \end{array} \right] = \left[\begin{array}{c} \text{५} \\ \text{अक} \end{array} \right]$$



लिये प्रदूषण नियंत्रक बोर्ड द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करें।

उपसंहार -

प्रदूषण नियंत्रक उपायों का उपयोग कर हम प्रदूषण से मुक्ति पा सकते हैं। प्रदूषण कम करने के लिए जो तकनीक प्रयोग करें, उसे दूसरों को भी बतायें। किसी कवि ने ठीक ही कहा है -

"कोई नहीं पराया मेरा, घर साक्ष संसार है।
मैं कहता हूँ, जिम्मा और ज़िम्मे दौ, इस संसार का।"

(ब) कम्प्यूटर: आज की आवश्यकता।

संक्षेप -

- (1) प्रस्तावना
- (2) कम्प्यूटर का जन्म एवं विकास।
- (3) कम्प्यूटर की क्षेत्रीय उपयोगिता -
 - (i) मशीन के क्षेत्र में।
 - (ii) आँकड़ों को सुरक्षित रखने में।
 - (iii) शिक्षा के क्षेत्र में।
 - (iv) चिकित्सा के क्षेत्र में।
- (4) कम्प्यूटर से धानियाँ।
- (5) उपसंहार

20

भाग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 20 क अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र

प्रश्न क्र० (23) का उत्तर

स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (T.C.)

प्रति,

श्रीमान् प्राचार्य महोदय ।
शासकीय बालिका उच्च. माध्य. विद्यालय ।
भंडल (म.प्र.)
जबलपुर

विषय - स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने विषयक ।

मान्यवर,

सविनम्र नम्र निवेदन है कि, मैं आपसे
विद्यालय में कक्षा 10 'अ' की छात्रा हूँ। मेरे
पिताजी शिक्षक हैं। पिताजी का स्थानान्तरण
जबलपुर से भोपाल हो गया है। जिस
कारण मुझे भोपाल जाना पड़ रहा है।
अतः आपसे निवेदन है कि मुझे
आगे अध्यापन कार्य हेतु स्थानान्तरण
पत्र प्रदान करने की कृपा करें। मेरे पास
विद्यालय की कोई सामग्री शेष नहीं है।

दिनांक - 28.03.14

धन्यवाद
आपकी आभारकारी शिष्या
प्रतिमा द्विवेदी
शील नं० - 34557

de/mct